5 APR 2011
दैनिक भास्कर; भोपाल

महिला साक्षरता में हम अव्वल

- भोपाल में 76.6 फीसदी महिलाएं साक्षर, जो दूसरे जिलों से सबसे ज्यादा हैं
- पुरुषों की साक्षरता के साथ जनसंख्या वृद्धि दर में भी तीसरे नंबर पर हमारा जिला

नगर संवाददाता | भोपाल

प्रदेश में साक्षरता के मामले में भोपाल जिले की महिलाएं अन्य जिलों की महिलाओं से आगे हैं। जनगणना 2011 के प्रारंभिक आंकड़ों के मुताबिक भोपाल जिले में 76.6 फीसदी महिलाएं साक्षर हैं, जो अन्य जिलों के मुकाबले सबसे ज्यादा है। हालांकि पुरुषों की साक्षरता के मामले में भोपाल जिला तीसरे पायदान पर है।

सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 82.3 फीसदी साक्षरता के साथ भोपाल प्रदेश में तीसरे स्थान पर है। इनमें पुरुष साक्षरता 87.4 फीसदी है। पुरुषों की साक्षरता के मामले में इंदौर व जबलपुर ही भोपाल से ऊपर हैं।

एक दशक में भोपाल की जनसंख्या वृद्धि दर में 7.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई हैं। वर्ष 1991 से 2001 के दौरान जनसंख्या वृद्धि दर 36.4 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 28.5 प्रतिशत हो गई है। जनसंख्या वृद्धि में भोपाल तीसरे नंबर पर है। भोपाल से आगे इंदौर (32.7) व झाबुआ (30.6 फीसदी) हैं।

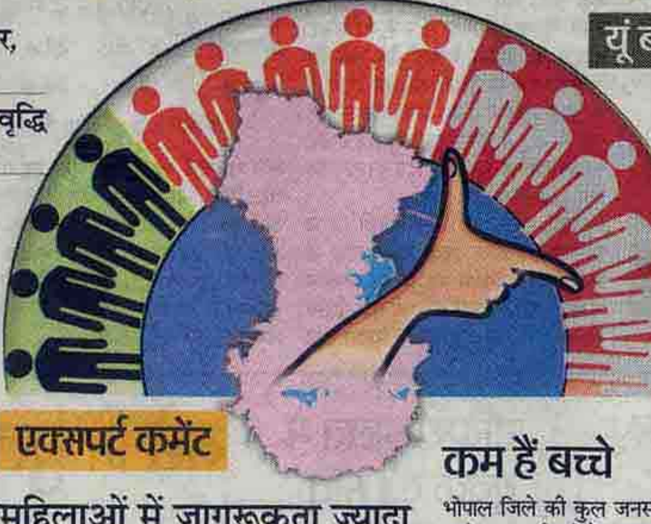

एक्सपर्ट कमेंट

महिलाओं में जागरूकता ज्यादा

राजधानी में शिक्षा के मामले में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के आगे रहने के पीछे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की पूर्व सदस्य डॉ. शशि राय का मानना है कि अन्य शहरों की अपेक्षा यहां की महिलाओं में ज्यादा जागरूकता है। इसके साथ ही सरकार और शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाले गैर सरकारी संगठनों ने महिलाओं की शिक्षा के लिए ज्यादा प्रयास किए हैं।

कम हैं बच्चे

भोपाल जिले की कुल जनसंख्या में बच्चे 12.4 फीसदी हैं। इस मामले में हमारे जिले का प्रदेश में 48वां स्थान है। पहले स्थान पर झाबुआ जिला है जहां कुल जनसंख्या में 20.3 फीसदी बच्चे हैं, जबकि प्रदेश में कुल जनसंख्या पर बच्चों की संख्या 14.5 फीसदी है।

यूं बढ़ी शहर की आबादी

वर्ष	आबादी
1881	55, 402
1891	70, 338
1901	77, 023
1911	56, 204
1921	45, 094
1931	61, 037
1941	75, 288
1951	1,02, 333
1961	2, 22, 948
1971	3, 84, 854
1981	6, 71, 018
1991	10,63, 662
2001	14, 23, 602
2011	18,00, 000

(2011 की आबादी अनुमानित है)

लिंगानुपात की स्थिति न अच्छी न ज्यादा खराब

लिंगानुपात के मामले में भोपाल जिला न तो बेहतर पांच जिलों शामिल है और न ही खराब पांच जिलों में। जनगणना के आंकड़ों के अनुसार जिले में प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 911 है। जनगणना 2001 में यह आंकड़ा 895 था। शिशु (शून्य से छह साल की उम्र) लिंगानुपात के मामले में भी यही स्थिति है। एक हजार लड़कों पर 916 लड़कियां हैं। 2001 में यह आंकड़ा 925 था।

एक वर्ग किलोमीटर में रहते हैं 854 लोग

भोपाल जिला 854 जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग किलोमीटर में रहने वाली आबादी) के साथ प्रदेश में टॉप पर है। दूसरे स्थान पर इंदौर (839) व तीसरे क्रम पर जबलपुर (472) है। वहीं प्रदेश में सबसे कम जनसंख्या का घनत्व डिंडोरी जिले का है। यहां एक वर्ग किलोमीटर में मात्र 94 लोग ही रहते हैं।